प्राथमिक विद्यालयों में अध्यापकों की अध्यापन अभिवृत्ति एवं व्यावसायिक संतुष्टि का अध्ययन

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल
एम.एड. (आर.आई.ई.)
उपाधि की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत

D- 344

लघुशोध प्रबंध

सत्र 2010-2011

मार्गदर्शक

डॉ. यू. लक्ष्मीनारायण
प्रवक्ता (शिक्षा विभाग)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

शोधकर्ता

श्रीमती हेमलता डोंगरे
एम.एड (आर.आई.ई.)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
(राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्)
श्यामला हिल्स भोपाल - 462013

प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्रीमती हेमलता डोंगरे क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (एन.सी.ई.आर. टी.), भोपाल में एम.एड.(प्रारंभिक शिक्षा)की नियमित छात्रा है। इन्होंने बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय,भोपाल से एम.एड.प्रारंभिक शिक्षा की उपाधि प्राप्त करने हेतु प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध "प्राथमिक विद्यालयों में अध्यापकों की अध्यापन अभिवृत्ति एवम् व्यावसायिक संतुष्टि का अध्ययन।" मेरे मार्गदर्शन में पूर्ण किया है। यह शोधकार्य इनके अथक परिश्रम, लगन एंव निष्ठा से किया गया मौलिक प्रयास है।

प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय,भोपाल की सन् 2010–11 की एम. एड. (प्रारंभिक शिक्षा) उपाधि की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत किये जाने योग्य है।

स्थानः–भोपाल

दिनांकः–28अप्रैल,2011

मार्गदर्शन

डॉ. यू. लक्ष्मीनारायण
प्रवक्ता – एम.एड. प्रभारी
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
एन.सी.ई.आर.टी., भोपाल, म.प्र.

घोषणा पत्र

मैं श्रीमती हेमलता डोंगरे छात्रा एम.एड.(प्रारंभिक शिक्षा) यह घोषणा करती हूं कि मैंने "प्राथमिक विद्यालयों के अध्यापकों की अध्यापन अभिवृत्ति एवम् व्यावसायिक संतुष्टि का अध्ययन" लघु शोध प्रबंध 2010–2011 में डॉ.यू.लक्ष्मीनारायण (एम.एड.प्रभारी) क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,भोपाल के मार्गदर्शन अंतर्गत पूर्ण किया है।

यह लघु शोध प्रबंध मेरे द्वारा बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय,भोपाल की एम.एड..(प्रारंभिक शिक्षा) 2010–11 की उपाधि की आंशिक सम्पूर्ति हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है।

इस शोध में लिए गये आंकड़े एवम् सूचनायें विश्वसनीय स्त्रोतों से तथा मूल स्थानों से प्राप्त किये गए हैं,तथा ये प्रयास पूर्णतः मौलिक है।

स्थानः–भोपाल

दिनांकः–28 अप्रैल,2011

शोधकर्त्ता

श्रीमती हेमलता डोंगरे
एम.एड.छात्रा
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
एन.सी.ई.आर.टी.,भोपाल म.प्र.

आभार ज्ञापन

प्रस्तुत शोध कार्य प्रबंध की सफलता का श्रेय मेरे मार्गदर्शक आदरणीय डॉ.यू. **लक्ष्मीनारायण (प्रवक्ता,शिक्षा विभाग)** को जाता है,जिन्होने निरन्तर उचित परामर्श,पर्याप्त निर्देश तथा सदैव प्रोत्साहन देकर शोध कार्य पूर्ण करने में अमूल्य सहयोग प्रदान किया है। आपके द्वारा धैर्य पूर्वक प्रदत्त आत्मीयता एंव मार्गदर्शन अविस्मरणीय रहेगा।

मैं आदरणीय प्राचार्य डॉ.के.व्ही.सुब्रमण्यम् विभागाध्यक्ष डॉ.एस.के.गुप्ता एंव एम.एड. प्रभारी डॉ.यू.लक्ष्मीनारायण के सहयोग के लिए धन्यवाद देती हूं।

मैं डॉ.वी.रमेश बाबू,डॉ.के.के.खरे,डॉ.सुनीति खरे,डॉ.एस.यू.पैइली,श्री संजय पण्डागले की हृदय से आभारी हूं,जिन्होने मुझे स्वयं के बहुमूल्य समय में से एक अध्यापक,अभिभावक तथा मार्गदर्शक के रूप में पर्याप्त समय दिया है। प्रस्तुत शोध आप सबके आत्मीय व्यवहार एवं अविस्मरणीय वात्सल्यपूर्ण सहयोग का प्रतिफल है। अतः मैं आप सभी की जीवनपर्यन्त ऋणी रहूंगी।

सृजन प्रकिया को प्रत्यक्ष रूप से निरन्तर फल देने वाले मेरे पति व मेरे बच्चे का दिल से आभार करती हूं,जिन्होने मुझे इस अध्ययन हेतु प्रोत्साहित किया।

मैं पुस्तकालयाध्यक्ष श्री पी.के.त्रिपाठी एंव पुस्तकालय के समस्त कर्मचारियों की हृदयपूर्वक आभारी हूं।

मैं उन समस्त विद्यानों की आभारी हूं जिनके ग्रन्थों का संदर्भ ग्रन्थ के रूप में मैंने उपयोग किया है।

अन्ततः मैं इस भोज राजा की पावन भूमि को प्रणाम करती हूं और आभार प्रकट करती हूं जहां से मेरे भावी जीवन का सूर्योदय होने वाला है।

स्थानः– भोपाल

दिनांकः–28अप्रैल 2011

शोधार्थी

श्रीमती हेमलता डोंगरे
एम.एड. क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,
एन.सी.ई.आर.टी., भोपाल, म.प्र.

अनुक्रमणिका

अध्याय	विवरण	पृष्ठ क्रंमाक
प्रथम	शोध परिचय	
	प्रस्तावना	
	1.1 भूमिका	1
	1.2 शिक्षक और अध्यापन	5
	1.3 समस्या कथन	7
	1.4 प्रस्तुत शोध अध्ययन की आवश्यकता एंव महत्व	7
	1.5 शोध में प्रयुक्त शब्दावली की परिभाषा	9
	1.6 शोध के चर	12
	1.7 शोध के उददेश्य	12
	1.8 अनुसंधान की परिकल्पना	13
	1.9 समस्या का सीमांकन	13
द्वितीय	संबधित साहित्य का पुनरावलोकन	
	2.1 भूमिका	14
	2.2 संबधित साहित्य के पुनरावलोकन से लाभ	14
	2.3 पूर्व शोध आकलन	15

तृतीय	शोध प्रणाली	
	3.1 भूमिका	20
	3.2 अध्ययन विधि	20
	3.3 न्यादर्श का चयन	21
	3.4 शोध के चर	22
	3.5 प्रदत्तों के संकलन के लिए प्रयुक्त उपकरण	24
	3.6 शोध में प्रयुक्त उपकरणों का प्रशासन	26
	3.7 प्रदत्त संकलन के लिये प्रयुक्त उपकरण के अंकन की विधि	27
	3.8 प्रदत्तों के संकलन में उत्पन्न कठिनाइयां	28
	3.9 प्रदत्तों के विश्लेषण हेतु सांख्यिकी प्रविधि	29
चतुर्थ	प्रदत्त विश्लेषण,परिणाम एंव व्याख्या	
	4.1 भूमिका	30
	4.2 परिकल्पनाओं का परीक्षण	30
	4.3 परिणामों की विवेचना	35
पंचम	शोध सार,निष्कर्ष एंव सुझाव	
	5.1 भूमिका	37

5.2 शोध का शीर्षक 38

5.3 निष्कर्ष 39

5.4 सुझाव 40

5.5 भावी शोध हेतु सुझाव 41

संदर्भ ग्रंथ सूची

परिशिष्ट